



# নতেবিচক চাপ ক্ৰত থৰোপাি (এনপডিব্লিউটি)

## ক্ৰত কী?

একটীসারজিকাল কাটা বা আঘাতৰে কারণে ত্বক বা অন্যান্য শরীরৰে টিস্যুৰ ক্ৰত ত্বক, নরম টিস্যু বা মাউকোসাৰ গঠন এবং कार्बकारिताके प्रभावति करे।



## नतेविचक चाप क्ৰत थरोपाि (एनपडिब्लिउटि) (ड्याक मशेनि)

दीर्घस्थायी वा कठनिभावे सेरे ०ठा क्त्रतगुलेर चकिहिसा ० पराटालनार जन्य नतेस्थानीय प्रयुक्ती। एटि एकटिड्याकुयाम डरसेहि व्यवहार करे, या क्त्रतस्थले नतेविचक चाप तरेकिरे। एहि थरोपािशरीररे ककेनो अंशरे क्त्रते प्रयोगे करा यतेपारे। चकिहिसार मेटे समयकाल नरिधारति ह्ये क्त्रते आकार, प्याथोलोजि, गठन এবং एहि थरोपाि व्यवहार अनुयायी।

## इङ्गति

- दीर्घस्थायी, तीव्र, এবং बचिहिन क्त्रत।
- पेडा, आलसार (यमेन डायबेटिक आलसार, चापजनति आलसार)।
- त्वकरे फ्ल्याप এবং ग्राफ्ट।

## उद्देश्य

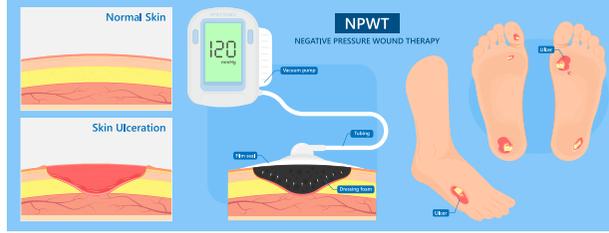
- एटिनतुन टिस्युर गठनके उंसाहति करे या क्त्रते नरिमय प्रकर्याकके द्रुत करे।
- एटि क्त्रते नरिमयरे जन्य एकटि आरद्र परविशे प्रदान करे।
- एटिक्त्रते प्रान्तगुलेके एकतरति करे।
- एटिसंक्रामक पदार्थ এবং अतरिकित तरलके एकटियन्त्र-नरिदष्टि पात्ररे स्थानान्तरति करते साहाय्य करे।

## नगेटेडि प्रशोर क्त्रत चकिहिसार उपादानगुलि

- क्त्रतके विशे फेोम प्याडहि दिये टाका ह्ये।
- एकटिपातला स्वच्छ अवरोध डरसेहि क्त्रते उपरसेलि करा ह्ये।
- एकटि ट्रयाकप्याडे शोषण टिडि ब्युक्त करा ह्ये एकटि क्यानसिटेररे साथे, याते तरल नरिकाशन संग्रह करा या।
- एकटि विशोष्यति पाम्पे व्यवहार करे नतेविचक चाप प्रयोगे करा ह्ये।



**क्त्रत डरसेहि उपकरणे प्रतयकेन प्ररवर्ती  
अथारजरी इतिहास स्वास्थयसेवा दलेर सदस्यदरे जाना।**



## कर्याकलापरे प्रकर्या

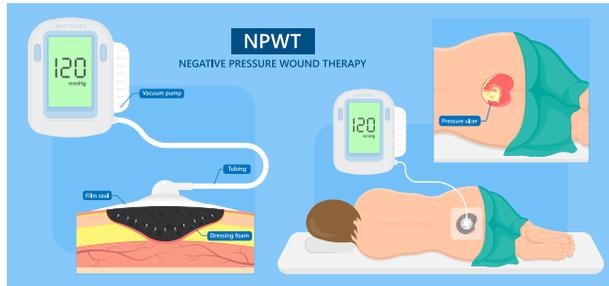
- ड्याकुयाम डरसेहि एकटि फेोम वा गज प्याड नयिे गठति, या क्त्रते उपर स्थापन करा ह्ये, एकटि ब्या-नरिोधक आठालेो डरसेहि दिये आच्छादति ह्ये এবং एकटि ड्याकुयाम पाम्परे साथे संयुक्त থাকे। पाम्पटि डरसेहिरे मध्ये नतेविचक चाप तरेकिरे।
- नतेविचक चापरे सटेहि (माइनास २५ थके माइनास २०० ममि पारद) रोगीर प्रयोगेन এবং क्त्रते प्रकृति अनुयायी सामंजस्य करा यतेपारे।
- थरोपािरे सटेहि क्रमागत वा अन्तरवर्ती हतेपारे।
- क्त्रते नरिमय समयकाल बडिनि कारणे नरिडर करे, यमेन बयस, धूमपान, स्थलता, रकते ग्लुकोजेरे स्तर, पुष्टिरे अवस्था (प्रोटिनरे अंश) এবং अन्यान्य अन्तरनिहित अवस्था उपर।

## बरीोधति

- क्त्रते मध्ये क्यानसार (मथालगिन्यानसा)
- यथेष्ट डबिरीड करा ह्येन एमन क्त्रत
- चकिहिसति ना होया हाडरे संक्रमण (अस्टिओमाइलाइटिस)
- चकिहिसति ना होया रकतपात्रे समस्या (केशागुलेोप्याथ)
- अजाना टानले (फसिटुलास)
- उन्मुक्त रक्तनाली वा गुर्वुत्वपूर्ण अंग।

## नगेटेडि प्रशोर क्त्रत थरोपािपरिचर्या

- साधारणत, डरसेहि प्रतयि ४८ थके ९२ घन्टां परबिरतन करा ह्ये।
- निश्चिति करुन यडेसिप्लेस्क्रीने 'THERAPY ON' प्रदरशति हच्छे।
- निश्चिति करुन यके क्ल्याम्पगुलि थोला এবং टिडिबि काँटा नया।
- मशेनिटदिनि २ घन्टां बरीोडिसिकानकेट वा बन्ध करा उचिति



## नया

- यखन मशेनि चलते থাকे, आपनिसामान्य टान अनुभव करबने এবং डरसेहिरे उपकरणे चपिचपिे भाव हवे। क्त्रते नरिमय होयार साथे साथे हालका चूलकानि এবং कोमलता प्रतयाशति।
- प्रतयि दुहि थके तनि घन्टां आपनार डरसेहि परीक्षा करुन याते निश्चिति करा याय यडे उपकरणे टिदृष्ट ह्येचे एवं संकुचिति ह्येचे।
- एहि चकिहिसा शुरु करा ब्याथा उपशम करते सहायता करबे।
- ड्याक थरोपािरे समय प्रयोगेन सावधानता ग्रहण करे ह्येति वा गोसल करतेपारेने।
- दया करे प्रचलति पतन प्रतरिोधरे पदकषपेगुलेरि प्रतयि अनुसरण करुन।

## सम्भाव्य जटिलता या उद्भवति हतेपारे:

- रक्तपात।
- क्त्रते चारपाशे त्वकरे क्त्रति (मथसारशेन)।
- त्वक जवालापेडा।

## संक्रमणरे लक्षण एवं उपसर्ग

- ज्वर।
- स्पर्शे उष्ण।
- फुले याओया क्त्रत।
- क्त्रते चारपाशे त्वके तीव्र लालचे भाव एवं चूलकानि।
- क्त्रत थके दुर्गन्ध वा स्क्रु बरे होया।

**एटिमने राखा अपरिहार्य ये एहि चकिहिसा टिनरिापद,  
अधकिंश रोगी एनपडिब्लिउटि डालभावे सह्य करे एवं एहि  
समस्या साधारणत अदृश्य।**

आपनयिद एनपडिब्लिउटि  
ग्रहणरे समय केनो  
अपरतयाशति उपसर्ग वा  
प्रतयि प्रभाव अनुभव करने  
तवे आपनके द्रुत आपनार  
नारसके जानाते हवे।



## शीघ्रै आपनार नारसके केल करुन:

- यदि मशेनि टिकज करछे, तवे डरसेहि टि संकुचिति ह्येन अथवा यखन मशेनि टिकज करा बन्ध करे।
- यदि आपन किशतरे काछाकाछि भिनिभनि वा अनुभूति हारानो अनुभव करने।
- यदि मशेनि टि अथारम दये, कारण अथारमगुलि यखन ब्याटारिकम ह्ये, लकिजे থাকे, क्यानसिटेर पूरण ह्ये इतयादि घटतेपारे।
- यदि आपन टिडिबि वा क्यानसिटेर हठां रकतरे परमिाण वृद्धि वा बड परमिाण रकत दखतेपान।
- यदि आपन संक्रमणरे लक्षण एवं उपसर्ग (पूर्वे उल्लेखे करा ह्येचे) लक्षण करने।
- यदि ब्याथा हठां worsen वा प्रकृति परबिरतति ह्ये।